POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A. II (Hons), Paper IV

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur,
Samastipur

राजनीतिक संस्कृति के प्रकार

राजनीतिक संस्कृति का वर्गीकरण लोगों के इस मनोवृत्ति के आधार पर किया जाता है कि क्या समाज के लोग राजनीतिक प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाते हैं या फिर निष्क्रिय रहते हैं और सरकारी गतिविधियों के बारे में थोड़ा जानते हैं या फिर वे उदासीन रहते हैं।

आमंड एवं वर्बा ने राजनीति में सहभागिता या फिर उससे अलगाव के आधार पर राजनीतिक संस्कृति के तीन प्रकारों का उल्लेख किया है—

① संकीर्ण राजनीतिक संस्कृति,
② पराधीन राजनीतिक संस्कृति,
③ सहभागी राजनीतिक संस्कृति।

① संकीर्ण राजनीतिक संस्कृति :—

संकीर्ण राजनीतिक संस्कृति से तात्पर्य उस संस्कृति से है जिसमें राजनीतिक समाज परम्परागत रूप रखता है। शासन की सभी प्रकार की भूमिकाएं अदा करता है। लोग राजनीतिक व्यवस्था के औपचारिक रूप से सदस्य होते हैं और उनकी राजनीति में कोई मांग नहीं होती।

Scanned with CamScanner

ऐसी राजनीतिक संस्कृति, राजनीतिक रूप से पिछड़े समाजों में पाई जाती है।

② पराधीन राजनीतिक संस्कृति :-

इस राजनीतिक समाज की संस्कृति जहां लोग राजनीतिक व्यवस्था के निर्गत से सरोकार रखते हैं। लोग उन बातों से भी दिलचस्पी रखते हैं जो सरकार इनके लिए करती है। किन्तु लोग राजनीतिक व्यवस्था के निवेशों से विमुख होते हैं। लोगों का राजनीतिक अभिमुखीकरण होता है पर केवल व्यवस्था से लेने के स्तर पर। वे राजनीतिक व्यवस्था के निवेश संरचनाओं से अलग-थलग रहते हैं। उनमें राजनीतिक व्यवस्था का अभिज्ञान तो होता है पर इसके अनुरूप राजनीतिक सहभागिता नहीं होती।

③ सहभागी राजनीतिक संस्कृति :-

इस प्रकार के राजनीतिक संस्कृति में सभी लोग राजनीतिक प्रक्रिया में भागीदारी करते हैं। व्यक्ति राजनीतिक व्यवस्था के निवेशों से संपेत होते हैं। वे राजनीतिक व्यवस्था के निर्गत से भी सरोकार रखते हैं। ऐसी मनोवृत्ति विकसित देशों में अधिक पाई जाती है। व्यक्ति अपने आप को राजनीतिक व्यवस्था से जोड़ लेता है। लोगों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों का ज्ञान होता है।

Scanned with CamScanner